

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी केकडी जिला अजमेर

राजस्व वाद 58/2022(2022/201)

1. देवीशंकर पुत्र श्री रामगोपाल जाति ब्राम्हण निवासी सावर हाल जनता कॉलोनी देवली तहसील देवली जिला टोंक।

--- प्रार्थी

♣ बनाम ♣

1. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार सावर जिला अजमेर।
2. भूरा पुत्र श्री कंवरी लाल गुर्जर।
3. रामदयाल पुत्र श्री कंवरीलाल गुर्जर।
निवासीगण लक्ष्मीपुरा तहसील सावर जिला अजमेर।
4. शिवप्रतापसिंह पुत्र श्री महावीरसिंह राजपूत निवासी सावर तहसील सावर जिला अजमेर।

--- अप्रार्थीगण

राजस्व प्रार्थना अन्तर्गत धारा 128 राज. लैण्ड रेवेन्यु एक्ट

उपस्थित:-

प्रार्थी वकील :- श्री हेमन्त जैन

पेराकार सरकार :- जरिये तहसीलदार सावर

आदेश

दिनांक 14.5.2022

पत्रावली आज राष्ट्रीय लोक अदालत मे पेश हुई। प्रार्थी द्वारा प्रकरण संक्षेप में राजस्व प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 राज. लैण्ड रेवेन्यु एक्ट के तहत प्रस्तुत किया है। उक्त प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजीयात आराम सावर तहसील सावर जिला अजमेर में स्थित है। आराजी की जमावन्दी संवत् 2073-76 में दर्ज अंकन निम्नानुसार दर्ज रिकॉर्ड है:-

खाता संख्या (नया-पुराना)	खसरा नम्बर	रकबा (है.)	किरम
786-766	5060/5953	1.34	वारानी 3
	कुल किता 1	रकबा 1.34हेक्टर	

उक्त वर्णित आराजीयात प्रार्थी के ही कब्जे, काश्त एवं आधिपत्य में चली आ रही है तथा प्रार्थी ही उक्त आराजीयात का खातेदार कृषक हैं। प्रार्थी की उक्त आराजीयात के सीमा चिन्ह खुर्दबुर्द हो गये तथा जिस कारण आराजीयात के पड़ोसी अप्रार्थी से कब्जे काश्त के समय छोटी-छोटी बातों पर लडाईं झगडे होते हैं तथा अप्रार्थी येनकेन प्रकार से प्रार्थी को उसकी आराजीयात से बेदखल करने पर उतारू रहते हैं। वर्तमान में भी मौके पर आराजीयात के स्थायी सीमा चिन्ह नहीं है तथा जिस कारण अप्रार्थी 2 लगायत 4 की नीयत प्रार्थी की आराजीयात के कुछ हिस्से पर कब्जा करने की है तथा इस कारण वे लडाईं झगडा कर आराजीयात से बेदखल करने पर उतारू है, जिस कारण मजबूर होकर प्रार्थी को यह पत्थरगढी का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करना लाजमी आया है। प्रार्थी उपरोक्त आराजीयात की नियमानुसार पत्थरगढी करवाना चाहता है जिससे मौके पर पुख्ता निशान कायम किये जा सकें। प्रार्थी दिनांक 25.04.2022 को आराजी की देखभाल करने गये तो अप्रार्थी धपडोसियों 2 लगायत 4 ने सीमा चिन्ह नहीं होने से धमकी दी कि यहां तक हमारा खेत है तथा उक्त सीमा चिन्हों के अभाव में हमारे खेत में भी काश्त नहीं करने दी जिससे उक्त प्रार्थना पत्र पेश करन लाजमी आया है। प्रार्थी पत्थरगढी की फीस नियमानुसार अदा करने को तैयार है। अप्रार्थी संख्या 1 लेण्ड लोर्ड होने से आवश्यक पक्षकार बनाया गया है। प्रार्थी उक्त आराजीयात पर पत्थरगढी कराने आदेश प्रदान कराने का निवेदन किया।

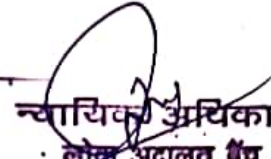
सुदस्य
उपखण्ड अधिकारी
लोक अदालत बैंक
(तालुका विधिक सेवा समिति)
हंकडी (अजमेर)

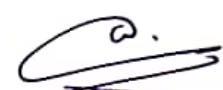


प्रकरण श्रवणाधिकार व क्षेत्राधिकार का होने से दर्ज रजिस्टर किया गया। अप्रार्थीगण को उर्ज नोटिस तलब किया गया। अपार्थीगण संख्या 2 लगायत 4 को बावजूद सम्मन तामिल अनुपस्थित रहे उनके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही की जाकर जवाब बंद किया गया। पैरोकार सरकार द्वारा जवाब में राजहित प्रभावित नहीं होना बताया।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। पक्षकारान की बहस पर मनन किया। प्रार्थी प्रार्थना पत्र में वजित आराजी का खातेदार काश्तकार है। खातेदार काश्तकार को स्वयं की खातेदारी की पत्थरगढी करवाने के हक अधिकार है। खातेदार काश्तकार को स्वयं की खातेदारी की पत्थरगढी करवाने के हक अधिकार है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र बाबत पत्थरगढी अन्तर्गत धारा 128 भू.स.अधि. के तहत स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार सावर जाके याम सावर तहसील सावर की जमाबन्दी संवत् 2073-75 के खाता संख्या नया पुराना 786-766 के खसरा नंबर 5060/5953 रकबा 1.34 हैक्टर की पत्थरगढी प्रार्थी द्वारा नियमानुसार पत्थरगढी शुल्क जमा कराने पर कार्मिकों की टीम गठित करके की जावे। खर्चा फरिक्तेन अपना अपना वहन करे।

आदेश राष्ट्रीय लोक अदालत मे सरे इजलास सुनाया गया।


न्यायिक अधिकारी
लोक अदालत बैंक
तालुका विधिक सेवा समिति
केकड़ी जिला-अजमेर


सदस्य
उपखण्ड अधिकारी
लोक अदालत बैंक
(तालुका विधिक सेवा समिति)
केकड़ी (अजमेर)